

प्रेषक,

राकेश शर्मा,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
खेल निदेशालय,
उत्तराखण्ड।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग -2

देहरादून दिनांक : 29 मार्च, 2011

विषय :- जनपद देहरादून में मोरवियन स्कूल के निकट थानी ग्राम में निर्माणाधीन सिविल सर्विसेस इन्स्टीट्यूट की पुनरीक्षित वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-4607/सि0सवि0पत्रा0/2010-11/दे0दून दिनांक-24-2-2011 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद देहरादून में मोरवियन स्कूल के निकट थानी गांव में सिविल सर्विसेस इन्स्टीट्यूट का निर्माण कराये जाने हेतु, सिविल वर्क्स से अलग प्रकृति के कार्यों की लागत रू0 121.22 लाख को पुनरीक्षित आगणन रू0 1366.32 लाख में जोड़ते हुए व्यय वित्त समिति द्वारा आंकलित/संस्तुत कुल रू0 1487.54 लाख (रू0 चौदह करोड़ सत्तासी लाख चौवन हजार) मात्र की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करते हुए चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में रू0 3.00 करोड़ (रू0 तीन करोड़) मात्र की धनराशि आपके निर्वर्तन पर रखते हुए निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. प्रस्तावित सभी कार्यों को एक प्रोजेक्ट के रूप में करते हुए प्रथम फेज के कार्यों यथा मुख्य भवन का निर्माण, पहुँच मार्ग का निर्माण, स्थल विकास कार्य, टेनिस कोर्ट आदि के कार्यों को दिनांक-30-6-2011 तक तथा अवशेष कार्यों को प्रत्येक दशा में दिनांक- 31-3-2012 तक पूर्ण कर लिया जाय, ताकि cost over&run न हो। किसी भी स्थिति में पुनः पुनरीक्षित आगणन तथा नये कार्यों को प्रस्तावित नहीं किया जायेगा। कार्यदायी संस्था को समय से भुगतान करते हुए कार्यों को अनुमोदित लागत पर ससमय पूर्ण कराया जाय।
2. कार्यदायी संस्था के साथ वित्त विभाग के शासनादेश सं0-475/XXVII(7)/2008 दिनांक -15-12-2008, 414/XXVII (7)/2007 दिनांक-23-10-2008 एवं सं0-594/XXVII (7)/2010 दिनांक-9-6-2010 के अनुसार MOU गठित कर Bsr-chart/Pert-chart के अनुरूप उक्तानुसार समय से निर्माण कार्य पूर्ण कराये जायें। निर्माण कार्यों का गहन अनुश्रवण किया जाये। प्रस्तावित सभी कार्यों को ससमय पूर्ण कराये जाने हेतु वित्तीय वर्ष 2011-12 में आवश्यक बजट/परिव्यय का प्राविधान कर लिया जाय।
3. पानी की कमी को दूर करने के लिए विकल्प के रूप में चैकडैम टैक्नीकल फिजिबिलिटी का परीक्षण वन विभाग/सिंचाई विभाग से कराया जाना सुनिश्चित किया जाये।

4. प्रथम फेज के निर्माण कार्य माह-जून 2011 में पूर्ण हो जायेंगे जिसके पश्चात इन्स्टीट्यूट को संचालित करने के लिए सुचारु प्रबन्धकीय व्यवस्था आवश्यक होगी। इस हेतु प्रशासकीय विभाग इन्स्टीट्यूट के सोसायटी पंजीकरण की कार्यवाही अविलम्ब सुनिश्चित करें। इन्स्टीट्यूट को C.S.I. Lucknow की भाँति society mode संचालित किया जाये।
5. civil work से अलग प्रकृति के होने के कारण filtration plant, pumping hot water generator, furniture and air आदि के कार्यों/उपकरणों के सम्बन्ध में उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 के अनुसार कार्यवाही की जाय, तथा उक्त नियमावली का पूर्णतः अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
6. कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शेड्यूल आफ रेट्स में स्वीकृत नहीं है, अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता/सक्षम अधिकारी से अनुमोदित की जाय।
7. कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त की जाय।
8. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।
9. एक मुश्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर सक्षम अधिकारी से अनुमोदन प्राप्त कर लिया जाय।
10. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि से मध्यनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित किया जाय।
11. निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय, तथा उपर्युक्त सामग्री ही प्रयोग की लायी जाय।
12. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219 (2006) दि०-30-6-2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
13. उक्त कार्य के सम्बन्ध में वित्त विभाग के शासनादेश सं०-475/XXVII (7)/2008 दि०-15-12-2008 के अनुसार निर्धारित प्रपत्र पर कार्यदायी संस्था से एम०ओ०यू० अवश्य हस्ताक्षरित कर लिया जायेगा।
2. उक्त सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में अनुदान संख्या-11 के लेखाशीर्षक 4202-शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूजीगत परिव्यय-00-03-खेलकूद तथा युवक सेवा खेलकूद स्टेडियम-102-खेलकूद स्टेडियम-06-सिविल सर्विसेज संस्थान की स्थापना-24 वृहत निर्माण कार्य आयोजनागत पक्ष के नामे डाला जायेगा।
3. उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या-542(पी) /XXVII (3)/2011 दिनांक-29 मार्च 2011 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

भवदीय,

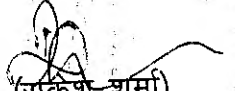
(रमेश शर्मा)
प्रमुख सचिव

पृष्ठांकन संख्या- 326 /VI-I/2011-4(5)2004 तददिनांकित।

प्रतिलिपि :- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, वैभव पैलेस, सी-1/105 इन्दिरा नगर, देहरादून।
2. जिलाधिकारी, देहरादून।
3. परियोजना प्रबन्धक, उ०प्र० राजकीय निर्माण निगम, देहरादून।
4. बजट राजकोषीय नियोजन व संसाधन निदेशालय सचिवालय, देहरादून।
5. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड देहरादून।
6. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
7. एन०आई०सी० देहरादून।
8. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,


(राकिश शर्मा)
प्रमुख सचिव